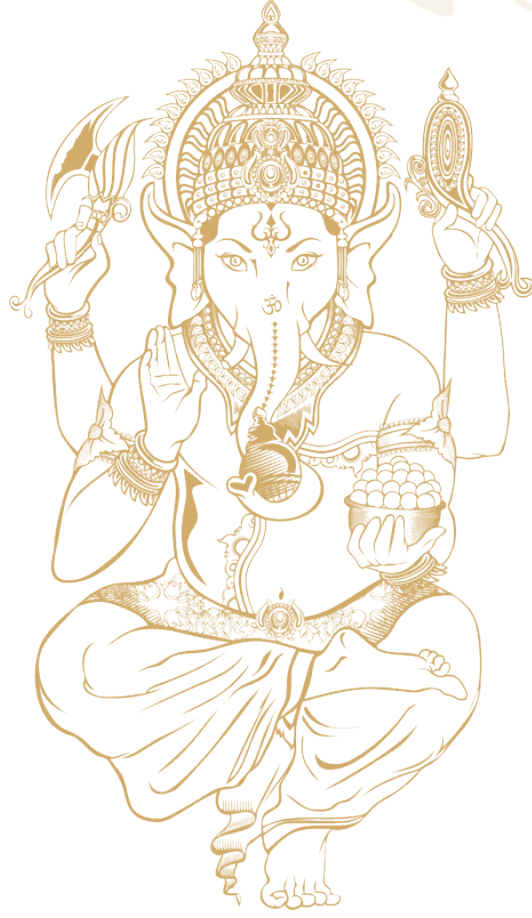




Mr. Ranjan

26 Jul 1980

04:15 AM

Bhawanipatna

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119563604

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
25-26/07/1980 : _____ जन्म तिथि _____ : **26/07/2025**
 शुक्र-शनिवार : _____ दिन _____ : शनिवार
 घंटे 04:15:00 : _____ जन्म समय _____ : 16:52:00 घंटे
 घटी 56:51:25 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 28:22:54 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Bhawanipatna : _____ स्थान _____ : Bhawanipatna
 उत्तर 19:54:00 : _____ अक्षांश _____ : 19:54:00 उत्तर
 पूर्व 83:10:00 : _____ रेखांश _____ : 83:10:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:02:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : 00:02:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:30:25 : _____ सूर्योदय _____ : 05:30:50
 18:36:32 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:36:29
 23:34:58 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:12:55
 मिथुन : _____ लग्न _____ : धनु
 बुध : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : गुरु
 धनु : _____ राशि _____ : सिंह
 गुरु : _____ राशि-स्वामी _____ : सूर्य
 पूर्वाषाढा : _____ नक्षत्र _____ : मघा
 शुक्र : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : केतु
 1 : _____ चरण _____ : 1
 वैधृति : _____ योग _____ : व्यतिपात
 गर : _____ करण _____ : कौलव
 भू-भूपेन्द्र : _____ जन्म नामाक्षर _____ : मा-मानवी
 सिंह : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : सिंह
 क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : क्षत्रिय
 मानव : _____ वश्य _____ : वनचर
 वानर : _____ योनि _____ : मूषक
 मनुष्य : _____ गण _____ : राक्षस
 मध्य : _____ नाडी _____ : अन्त्य
 मूषक : _____ वर्ग _____ : मूषक
 45 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 46

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पुनर्वसु	1	21:56:31	मिथु			लग्न			धनु	14:12:15	1	पूर्वाषाढा
पुष्य	2	09:31:21	कर्क			सूर्य			कर्क	09:31:21	2	पुष्य
पूर्वाषाढा	1	15:53:46	धनु			चंद्र			सिंह	00:33:02	1	मघा
हस्त	2	15:08:14	कन्या			मंगल			सिंह	28:41:55	1	उ०फाल्गुनी
पुनर्वसु	1	22:08:04	मिथु			बुध	व	अ	कर्क	18:41:01	1	आश्लेषा
पू०फाल्गुनी	2	16:52:19	सिंह			गुरु			मिथु	16:18:14	3	आर्द्रा
मृगशिरा	2	28:28:36	वृष			शुक्र			मिथु	00:22:45	3	मृगशिरा
उ०फाल्गुनी	1	29:53:07	सिंह			शनि	व		मीन	07:34:15	2	उ०भाद्रपद
आश्लेषा	3	26:39:57	कर्क	व		राहु	व		कुंभ	24:50:32	2	पू०भाद्रपद
धनिष्ठा	1	26:39:57	मक	व		केतु	व		सिंह	24:50:32	4	पू०फाल्गुनी
विशाखा	3	27:55:31	तुला	व		मु			मीन	21:56:31	2	रेवती

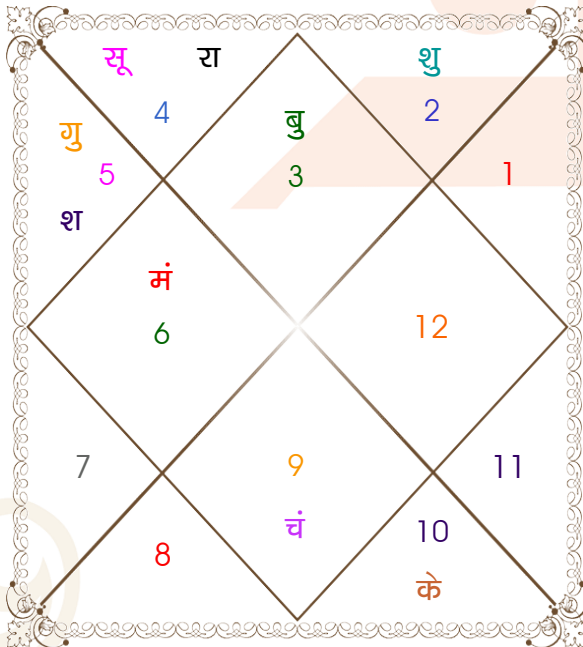
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

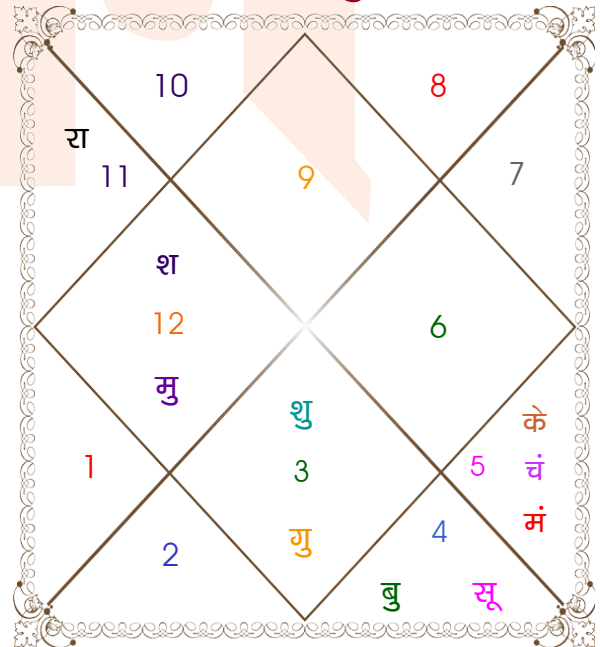
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:55

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शनि - केतु	राहु - शनि - शुक्र	राहु - शनि - सूर्य	राहु - शनि - चंद्र
04/09/2025 23:38	04/11/2025 16:59	27/04/2026 04:50	18/06/2026 05:59
04/11/2025 16:59	27/04/2026 04:50	18/06/2026 05:59	12/09/2026 23:55
केतु 08/09/2025 12:39	शुक्र 03/12/2025 14:57	सूर्य 29/04/2026 19:17	चंद्र 25/06/2026 11:29
शुक्र 18/09/2025 15:32	सूर्य 12/12/2025 07:09	चंद्र 04/05/2026 03:23	मंगल 30/06/2026 12:56
सूर्य 21/09/2025 16:24	चंद्र 26/12/2025 18:08	मंगल 07/05/2026 04:15	राहु 13/07/2026 13:13
चंद्र 26/09/2025 17:51	मंगल 05/01/2026 21:02	राहु 14/05/2026 23:38	गुरु 25/07/2026 02:48
मंगल 30/09/2025 06:52	राहु 31/01/2026 21:36	गुरु 21/05/2026 22:11	शनि 07/08/2026 20:27
राहु 09/10/2025 09:28	गुरु 24/02/2026 00:47	शनि 30/05/2026 03:58	बुध 20/08/2026 03:23
गुरु 17/10/2025 11:47	शनि 23/03/2026 12:04	बुध 06/06/2026 12:56	केतु 25/08/2026 04:50
शनि 27/10/2025 02:32	बुध 17/04/2026 01:57	केतु 09/06/2026 13:48	शुक्र 08/09/2026 15:49
बुध 04/11/2025 16:59	केतु 27/04/2026 04:50	शुक्र 18/06/2026 05:59	सूर्य 12/09/2026 23:55
राहु - शनि - मंगल	राहु - शनि - राहु	राहु - शनि - गुरु	राहु - बुध - बुध
12/09/2026 23:55	12/11/2026 17:16	17/04/2027 20:44	03/09/2027 15:48
12/11/2026 17:16	17/04/2027 20:44	03/09/2027 15:48	13/01/2028 14:31
मंगल 16/09/2026 12:56	राहु 06/12/2026 03:23	गुरु 06/05/2027 08:52	बुध 22/09/2027 08:25
राहु 25/09/2026 15:32	गुरु 26/12/2026 23:03	शनि 28/05/2027 08:17	केतु 30/09/2027 01:09
गुरु 03/10/2026 17:50	शनि 20/01/2027 16:23	बुध 17/06/2027 00:12	शुक्र 22/10/2027 00:56
शनि 13/10/2026 08:35	बुध 11/02/2027 19:17	केतु 25/06/2027 02:30	सूर्य 28/10/2027 15:16
बुध 21/10/2026 23:03	केतु 20/02/2027 21:53	शुक्र 18/07/2027 05:41	चंद्र 08/11/2027 15:10
केतु 25/10/2026 12:03	शुक्र 18/03/2027 22:28	सूर्य 25/07/2027 04:14	मंगल 16/11/2027 07:53
शुक्र 04/11/2026 14:57	सूर्य 26/03/2027 17:50	चंद्र 05/08/2027 17:50	राहु 06/12/2027 02:54
सूर्य 07/11/2026 15:49	चंद्र 08/04/2027 18:07	मंगल 13/08/2027 20:09	गुरु 23/12/2027 17:08
चंद्र 12/11/2026 17:16	मंगल 17/04/2027 20:44	राहु 03/09/2027 15:48	शनि 13/01/2028 14:31
राहु - बुध - केतु	राहु - बुध - शुक्र	राहु - बुध - सूर्य	राहु - बुध - चंद्र
13/01/2028 14:31	07/03/2028 22:28	10/08/2028 04:01	25/09/2028 17:41
07/03/2028 22:28	10/08/2028 04:01	25/09/2028 17:41	12/12/2028 08:27
केतु 16/01/2028 18:35	शुक्र 02/04/2028 19:23	सूर्य 12/08/2028 11:54	चंद्र 02/10/2028 04:55
शुक्र 25/01/2028 19:55	सूर्य 10/04/2028 13:40	चंद्र 16/08/2028 09:02	मंगल 06/10/2028 17:34
सूर्य 28/01/2028 13:06	चंद्र 23/04/2028 12:08	मंगल 19/08/2028 02:14	राहु 18/10/2028 08:59
चंद्र 02/02/2028 01:46	मंगल 02/05/2028 13:27	राहु 26/08/2028 01:53	गुरु 28/10/2028 17:22
मंगल 05/02/2028 05:50	राहु 25/05/2028 20:17	गुरु 01/09/2028 06:54	शनि 10/11/2028 00:18
राहु 13/02/2028 09:25	गुरु 15/06/2028 13:02	शनि 08/09/2028 15:52	बुध 21/11/2028 00:12
गुरु 20/02/2028 15:17	शनि 10/07/2028 02:54	बुध 15/09/2028 06:12	केतु 25/11/2028 12:51
शनि 29/02/2028 05:44	बुध 01/08/2028 02:42	केतु 17/09/2028 23:24	शुक्र 08/12/2028 11:19
बुध 07/03/2028 22:28	केतु 10/08/2028 04:01	शुक्र 25/09/2028 17:41	सूर्य 12/12/2028 08:27

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

* * * * *

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमत्ता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबंधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यो कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

- * - * - * - * - * - * - * - * - * - *

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शरीर से कष्ट की अनुभूति करेंगे जिससे दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यों को यथासमय पूर्ण करने में भी आप असमर्थ रहेंगे। मानसिक रूप से इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष भी आपका प्रबल रहेगा तथा आपके लिए समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेगा जिससे आपको काफी असुविधा होगी। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपकी मान हानि की भी संभावना रहेगी यह या तो आपके स्वयं के कार्यों से होगी अथवा जिससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपका कोई संबंध न हो। अतः ऐसे अवसरों से आपको अत्यंत ही सावधान रहना चाहिए।

इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अनुकूल नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ उच्चाधिकारी या सहयोगी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे। फलतः आपकी पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में भी इस समय रुकावटें उत्पन्न होंगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप असमर्थ रहेंगे। फलतः आर्थिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी। इसके अतिरिक्त बेरोजगारों को कार्य मिलने में अत्यंत ही कठिनाई रहेगी।

